पक्षियों की उड़ान

जगदीश प्रसाद तिवारी

जैसा हम समझते हैं वैसा कुछ भी नहीं है आसान,
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
कुछ ही पलों में नीचे से
ऊपर की ओर चले जाना,
क्षण भर में ऊपर से सीधे
नीचे को चले आना,
पंखों की इस कलाबाजी में पक्षियों की लग जाती है पूरी जान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षी जब उड़ने में
होते हैं पूरी तरह मगन,
बिलकुल बौना-सा लगता है
उनको यह विशाल गगन,
उनके उत्तुंग साहस को देखकर चकित रहता है आसमान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षियों में ही होती है
उड़ने की विचित्र कला,
जिसे डिगा नहीं पाता है
जोश में भरा जलजला,
मौनवत हो जाता है दूर से देखकर चंड-प्रचंड तूफान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षियों के पथ बाधा
नहीं बन पाते हैं पहाड़,
कमजोर पड़ जाती है
बर्बर शेरों की भी दहाड़,
बस, पवन ही करती है उनका आगे बढ़ सहयोग व सम्मान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षी-वृंद का जब धरा
पर गूंजता है मीठा शोर,
नींद से तुरंत जागकर आ?
जाती है सुनहरी भोर,
वन-उपवन के अधरों पर छा जाती है मधुर मुस्कान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षी निकलते हैं झुंड में
जब अपने पंखों को पसार,
कर जाते हैं वे बड़े-बड़े
अलंध्य सागरों को भी पार,
उनके उन्मुक्त उत्साह-उमंग के सामने आ नहीं पाती है थकान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
न होता निर्वात तो पक्षी
आकाशगंगा को छू लेते,
ब्रह्मांड रचना की सूचना
लाकर हमको यूं ही बता देते?
झुक-झुक, शत-शत धन्यवाद देता उनको हमारा ये विज्ञान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षियों के पंख होते हैं
कितने सुंदर और कोमल,
पर पता नहीं कैसे आता
उनमें उड़ने का अद्‌भुत बल,
इस अद्वितीय और गूढ़ रहस्य का बस प्रकृति को ही है भान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
पक्षियों को हम पहचानें
जानें उनकी भी मूक भाषा,
दाना-पानी दें, पूरी करें
हम उनकी हर अभिलाषा,
हमारी तरह वे भी हैं इस धरती पर अमूल्य-सा वरदान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।
प्रदूषण के कारण आज संकट
में है पक्षियों का जीवन,
उनके अस्तित्व को बचाने
का करें हम कोई जतन,
संभालकर सुरक्षित रखें उनकी जीविका का सभी सामान।
नीले नभ में बहुत ही कठिन होती है पक्षियों की उड़ान।

संपर्क सूत्र :
श्री जगदीश प्रसाद तिवारी 'नास्तिक'
2425, गाड़ी अड्डा, हाट मैदान, गोकुलगंज, महू 453441, जिला-इंदौर (म.प्र.) [मो. : 09229574700, 08224942608;
ई-मेल : jagdish123tiwari@gmail.com]